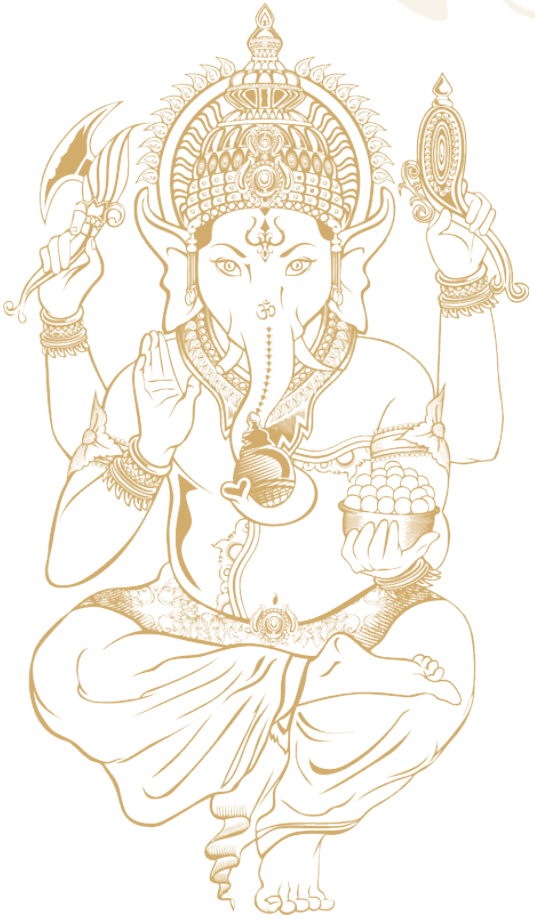

Jayendra nath panday

06 Dec 1990

05:23 PM

Ballia

Model: web-freekundliweb

Order No: 121681006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:23:00 घंटे**
इष्ट	27:44:55 घटी
स्थान	**Ballia**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:26:00 उत्तर
रेखांश	86:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:16 घंटे
वेलान्तर	00:09:07 घंटे
साम्पातिक काल	22:38:17 घंटे
सूर्योदय	06:17:01 घंटे
सूर्यास्त	16:54:16 घंटे
दिनमान	10:37:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:21:45 वृश्चिक
लग्न के अंश	28:18:34 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:18:34	342:58:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	20:21:45	01:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	18:04:01	14:03:12	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल	व	अ	वृष	08:31:49	00:19:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	11:22:33	01:00:42	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	19:47:49	00:01:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	28:58:14	01:15:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			धनु	29:07:54	00:06:04	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
राहु			मक	05:10:55	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	05:10:55	00:00:48	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	14:30:00	00:03:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप			धनु	19:27:15	00:02:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	25:00:08	00:02:15	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	14:10:27	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:03

लग्न-चलित

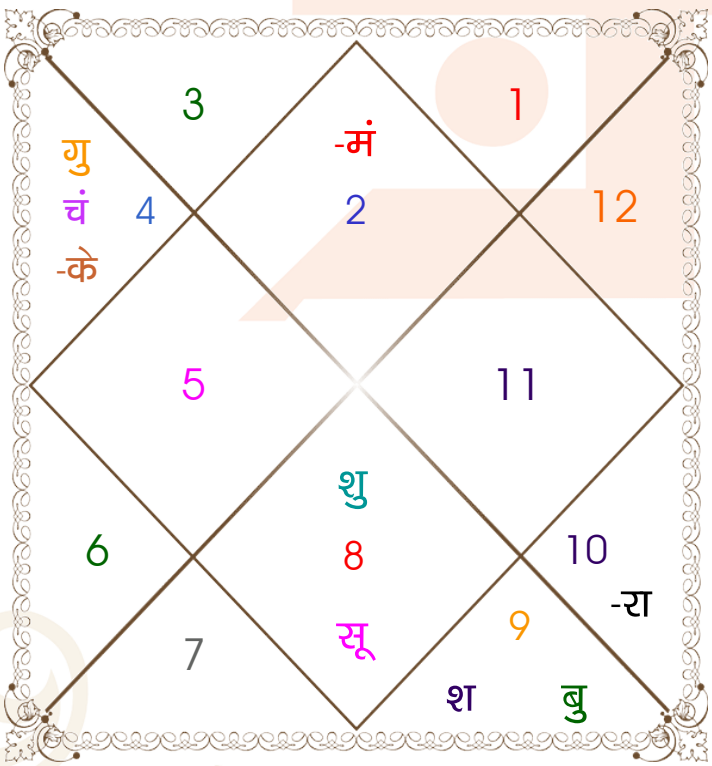

चन्द्र कुंडली

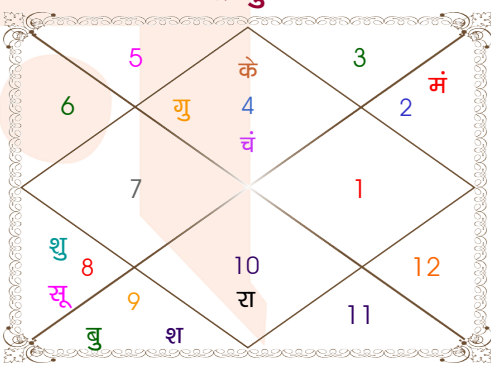

नवमांश कुंडली

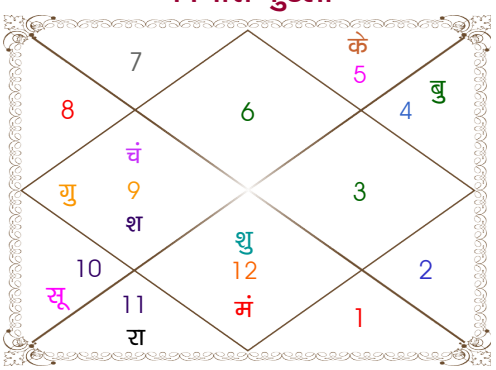

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 2 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/12/1990		22/02/2006		22/02/2013		22/02/2033		23/02/2039	
22/02/2006		22/02/2013		22/02/2033		23/02/2039		22/02/2049	
बुध	22/07/1991	केतु	21/07/2006	शुक्र	24/06/2016	सूर्य	12/06/2033	चंद्र	24/12/2039
केतु	18/07/1992	शुक्र	21/09/2007	सूर्य	24/06/2017	चंद्र	11/12/2033	मंगल	24/07/2040
शुक्र	19/05/1995	सूर्य	26/01/2008	चंद्र	23/02/2019	मंगल	18/04/2034	राहु	23/01/2042
सूर्य	24/03/1996	चंद्र	26/08/2008	मंगल	24/04/2020	राहु	13/03/2035	गुरु	25/05/2043
चंद्र	24/08/1997	मंगल	23/01/2009	राहु	24/04/2023	गुरु	30/12/2035	शनि	23/12/2044
मंगल	21/08/1998	राहु	10/02/2010	गुरु	23/12/2025	शनि	11/12/2036	बुध	25/05/2046
राहु	09/03/2001	गुरु	17/01/2011	शनि	22/02/2029	बुध	17/10/2037	केतु	24/12/2046
गुरु	15/06/2003	शनि	26/02/2012	बुध	24/12/2031	केतु	22/02/2038	शुक्र	23/08/2048
शनि	22/02/2006	बुध	22/02/2013	केतु	22/02/2033	शुक्र	23/02/2039	सूर्य	22/02/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/02/2049		23/02/2056		22/02/2074		22/02/2090		23/02/2109	
23/02/2056		22/02/2074		22/02/2090		23/02/2109		00/00/0000	
मंगल	21/07/2049	राहु	05/11/2058	गुरु	12/04/2076	शनि	25/02/2093	बुध	07/12/2110
राहु	09/08/2050	गुरु	31/03/2061	शनि	24/10/2078	बुध	05/11/2095		00/00/0000
गुरु	16/07/2051	शनि	05/02/2064	बुध	29/01/2081	केतु	14/12/2096		00/00/0000
शनि	23/08/2052	बुध	24/08/2066	केतु	05/01/2082	शुक्र	14/02/2100		00/00/0000
बुध	21/08/2053	केतु	11/09/2067	शुक्र	05/09/2084	सूर्य	27/01/2101		00/00/0000
केतु	17/01/2054	शुक्र	11/09/2070	सूर्य	24/06/2085	चंद्र	28/08/2102		00/00/0000
शुक्र	19/03/2055	सूर्य	06/08/2071	चंद्र	24/10/2086	मंगल	07/10/2103		00/00/0000
सूर्य	25/07/2055	चंद्र	04/02/2073	मंगल	30/09/2087	राहु	13/08/2106		00/00/0000
चंद्र	23/02/2056	मंगल	22/02/2074	राहु	22/02/2090	गुरु	23/02/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।